दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

निजी स्कूलों में अब सिर्फ बोर्ड की किताबें पढ़ाई जाएंगी

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ राजेश शर्मा ने जारी किए निर्देश, नियमों की अनदेखी पर रद्द होगी मान्यता

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला,15 अप्रैल : हिमाचल प्रदेश में निजी स्कूलों की मनमानी पर अब लगाम कसने की तैयारी कर ली गई है। शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता और एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने निजी स्कूलों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन नए नियमों के तहत अब प्रदेश के सभी निजी विद्यालयों को केवल बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का ही उपयोग करना होगा और किसी भी प्रकार की बाहरी या अनधिकृत किताबों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय छात्रों और अभिभावकों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से लिया गया है, ताकि शिक्षा प्रणाली में समानता बनी रहे और किसी भी स्तर पर व्यावसायिक लाभ के लिए शिक्षा को प्रभावित न किया जा सके।

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने इस संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सभी संबद्ध निजी विद्यालय अब केवल बोर्ड द्वारा निर्धारित बुक डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर या अधिकृत विक्रेताओं निर्देशों में यह भी कहा गया है कि स्कूलों को विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या के आधार पर ही किताबों की खरीद करनी होगी, ताकि किसी भी प्रकार की अतिरिक्त खरीद या अनावश्यक स्टॉकिंग को रोका जा सके।

इसके साथ ही यह भी अनिवार्य किया गया है कि सभी शैक्षणिक संस्थान केवल बोर्ड द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम और पुस्तकों के माध्यम से ही शिक्षण कार्य संचालित करेंगे। बोर्ड ने इस व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सभी निजी स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे 30 मई 2026 तक अपनी पुस्तक खरीद से संबंधित सभी बिलों का सत्यापन डिपो स्तर पर करवाएं और उसके बाद उन्हें बोर्ड की संबद्धता शाखा में जमा करें।

प्रदेश के सभी निजी विद्यालयों को केवल बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का ही उपयोग करना होगा और किसी भी प्रकार की बाहरी या अनधिकृत किताबों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यदि कोई भी निजी स्कूल इन निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें वित्तीय दंड से लेकर मान्यता रद्द तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है।

– डॉ. राजेश शर्मा,
अध्यक्ष प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड।

Himachal Dastak 16-04-2026

बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों से नशे से दूर रहने की अपील की

हिमाचल दस्तक ▮ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने हिमाचल दिवस पर प्रदेशवासियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं।

डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति से हिमाचल ने देश में अलग पहचान बनाई है। इसका श्रेय शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की मेहनत को जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और राज्य के समग्र विकास की आधारशिला है। विद्यार्थी अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाकर जीवन में उत्कृष्टता हासिल करें। डॉ. शर्मा ने बताया कि बोर्ड शिक्षा प्रणाली से रटने की प्रवृत्ति खत्म कर अवधारणात्मक और प्रायोगिक अधिगम को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली से बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार किया जा रहा है। अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से नशे और बुरी आदतों से दूर रहने की अपील की। साथ ही शिक्षकों से कहा कि वे पढ़ाई को संवादात्मक और गतिविधि-आधारित बनाएं।

इससे विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान क्षमता और नवाचार बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थी सशक्त, शिक्षित और जागरूक हिमाचल के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकेंगे।

हिमाचल दिवस पर शिक्षा के माध्यम से सशक्त प्रदेश निर्माण का संकल्प

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने हिमाचल दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए देश में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है और यह उपलब्धि शिक्षकों के समर्पण एवं विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज और राज्य के समग्र विकास की आधारशिला होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को अपनाकर अपने जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड शिक्षा प्रणाली में रटने की प्रवृत्ति को समाप्त कर अवधारणात्मक, प्रायोगिक को

◆ रटने की प्रवृत्ति से मुक्ति पर जोर

बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है, ताकि विद्यार्थी विषयों की गहन समझ विकसित कर सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा पारदर्शी एवं विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली के माध्यम से बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों से नशे एवं अन्य बुरी आदतों से दूर रहने का आह्वान किया तथा शिक्षकों से शिक्षण प्रक्रिया को अधिक इंटरैक्टिव एवं गतिविधि-आधारित बनाने की अपील की, ताकि विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान क्षमता एवं नवाचार को बढ़ावा मिल सके और वे एक सशक्त, शिक्षित एवं जागरूक हिमाचल के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

Dainik Jagran 16-04-2026

शिक्षा में प्रदेश ने बनाई विशिष्ट पहचान

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए देश में विशिष्ट पहचान बनाई है। डा. शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज और राज्य के समग्र विकास की आधारशिला होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को अपनाकर अपने जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड शिक्षा प्रणाली में रटने की प्रवृत्ति को समाप्त कर अवधारणात्मक एवं प्रायोगिक को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

Apka Faisla 16-04-2026

हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए देश में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई : डॉ. राजेश शर्मा

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने हिमाचल दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए देश में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है और यह उपलब्धि शिक्षकों के समर्पण एवं विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है। डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज और राज्य के समग्र विकास की आधारशिला होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को अपनाकर अपने जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड शिक्षा प्रणाली में (रटने की प्रवृत्ति) को समाप्त कर (अवधारणात्मक) एवं प्रायोगिक को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है, ताकि विद्यार्थी विषयों की गहन समझ विकसित कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा पारदर्शी एवं विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली के माध्यम से बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों से नशे एवं अन्य बुरी आदतों से दूर रहने का आह्वान किया तथा शिक्षकों से शिक्षण प्रक्रिया को अधिक इंटरैक्टिव एवं गतिविधि-आधारित बनाने की अपील की, ताकि विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान क्षमता एवं नवाचार को बढ़ावा मिल सके और वे एक सशक्त, शिक्षित एवं जागरूक हिमाचल के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

डिजिटल अख़बार
पहली नज़र
सबसे पहले, सबसे तेज
15 अप्रैल, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ

हिमाचल दिवस पर शिक्षा के माध्यम से सशक्त प्रदेश निर्माण का संकल्प, रटने की प्रवृत्ति से मुक्ति पर जोर

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने हिमाचल दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए देश में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है और यह उपलब्धि शिक्षकों के समर्पण एवं विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज और राज्य के समग्र विकास की आधारशिला होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से

शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : डॉ. राजेश शर्मा

आह्वान किया कि वे अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को अपनाकर अपने जीवन में उत्कृष्टता (एक्सीलेंस) प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड शिक्षा प्रणाली में रुट लर्निंग (रटने की प्रवृत्ति) को समाप्त कर कॉन्सेप्चुअल (अवधारणात्मक) एवं practical (प्रायोगिक) लर्निंग को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है, ताकि विद्यार्थी विषयों की गहन समझ (दीप अंडरस्टैंडिंग)

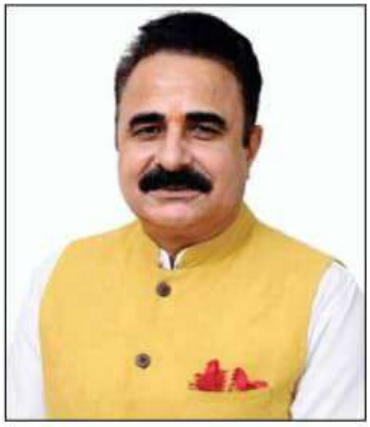

विकसित कर सकें।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास (हॉलिस्टिक डेवलपमेंट) के लिए प्रतिबद्ध है तथा पारदर्शी (ट्रांसपेरेंट) एवं विश्वसनीय (क्रेडिबल) परीक्षा प्रणाली के माध्यम से बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों से नशे (drugs) एवं अन्य बुरी आदतों (bad habits) से दूर रहने का आह्वान किया तथा शिक्षकों से शिक्षण प्रक्रिया को अधिक इंटरैक्टिव (interactive) एवं गतिविधि-आधारित (एक्टिविटी बेस्ड) बनाने की अपील की, ताकि विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक सोच (analytical thinking), समस्या समाधान क्षमता (problem-solving skills) एवं नवाचार (innovation) को बढ़ावा मिल सके और वे एक सशक्त, शिक्षित एवं जागरूक हिमाचल के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

APRIL 16, 2026 THURSDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

DR. RAJESH SHARMA URGES STUDENTS TO FOCUS ON CONCEPTS AND INNOVATION OVER CRAMMING

Sunny Mahajan | Dharamshala

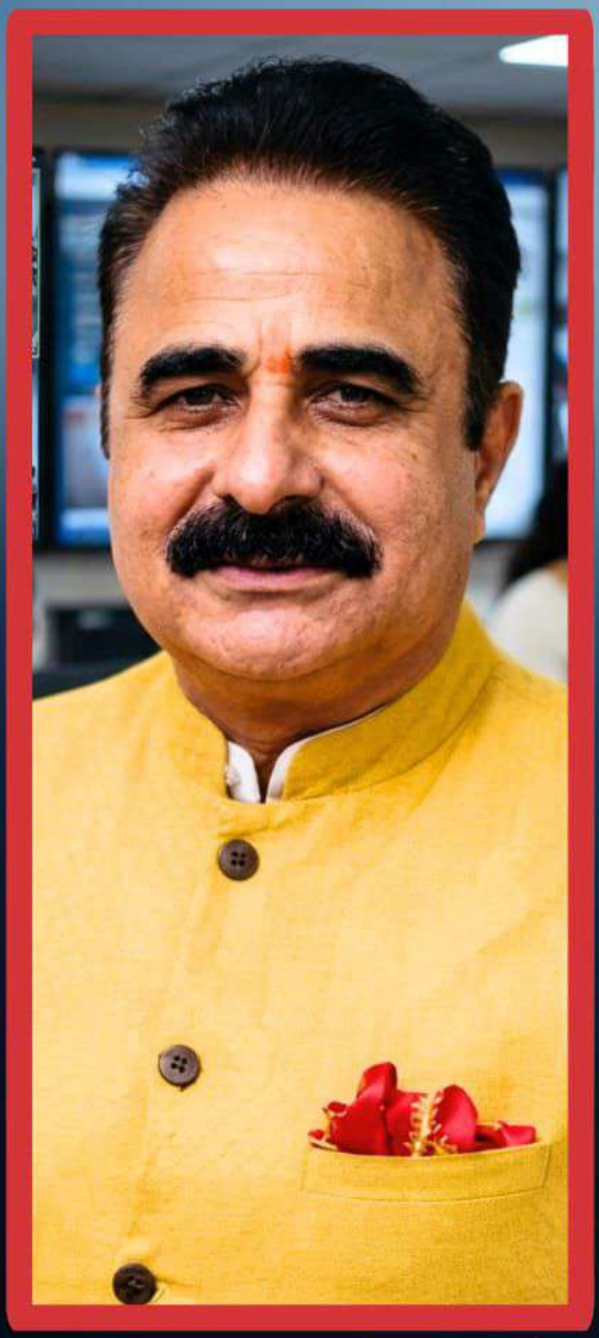

On the occasion of Himachal Day, Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBoSE), shared a powerful vision for building a stronger state through a transformed education system. Extending his heartfelt greetings to students, teachers, and parents, he praised the state's impressive progress in the academic field, attributing this success to the collective hard work of the teaching community and the dedication of the youth. Dr. Sharma emphasized that education is the fundamental pillar for the growth of any society and urged students to embrace discipline and strong moral values as they strive for excellence in their personal and professional lives.

A central theme of his message was the urgent need to move away from traditional rote learning, where students simply memorize facts without understanding them. He explained that the Board is actively working to replace this outdated method with a system focused on practical and conceptual learning. By encouraging students to understand the "why" and "how" behind their subjects, the Board aims to foster deeper knowledge rather than superficial memorization. This shift is designed to help students develop critical thinking and problem-solving skills, allowing them to become innovative thinkers rather than just passive learners.

Dr. Sharma also reaffirmed the Board's commitment to maintaining a transparent and credible examination process to ensure a fair environment for every child. Beyond academics, he issued a stern warning against the dangers of drug abuse and other harmful habits, calling on the youth to stay focused on their health and future. He concluded by appealing to educators to make their classrooms more interactive and activity-based. By doing so, teachers can spark curiosity and analytical thinking, ultimately empowering students to become informed citizens who will lead Himachal Pradesh toward a more prosperous and educated future.